चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	22.8.22	4	7-8

Best Research Centre Award for agri varsity

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, AUGUST 21

The fodder section of the Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) has been awarded the Best Research Centre Award for the year 2021-22 at the national level for its excellent research on jowar crop.

Vice-Chancellor Prof BR Kamboj said Dr Trilochan Mohapatra, Director General, Indian Council of Agricultural Research, New Delhi, had presented the award at the 52nd Annual Group Meeting of the All India Coordinated Research Project (Jowar) organised by the Indian Institute of Millets Research, Hyderabad.

He said the fodder section of the university had done commendable work in the development of improved varieties of jowar, management of nutrients like phosphorus and potash in the crop and seed production of fodder jowar. So far, 13 improved varieties of jowar have been produced, out of which CSV-53F, HJH-1513 and HJ-1514 were recently developed with high protein content and digestible properties.

'Commendable' work done on development of jowar varieties

"CSV 53F variety will be cultivated in the states of Gujarat, Rajasthan, Punjab, Haryana, Uttarakhand, Maharashtra, Karnataka and Tamil Nadu while the HJH-1513 and HJ-1514 varieties have been identified for cultivation in Haryana", said Prof Kamboj.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	21.8.22	9	3-8

वीसी बोले, ज्वार की नई किस्मों का किसानों और पशुपालकों को होगा लाभ

हकृवि का चारा अनुभाग राष्ट्रीयास्तर पर सर्वश्रेष्ठ

- राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया।

हिसार। चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों के साथ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

एचजेएच 1513 व 1514 हरियाणा के लिए चिह्नित

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया ज्वार की एचजेएच 1513 व एचजे 1514 किस्में हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिह्नित की गई हैं।

इनमें से एचजेएच 1513 एक कटाई वाली हाइब्रिड किस्म है और इसकी हरे चारे की औसत पैदावार 717 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह मीठी व जूसी किस्म है जिसमें 8.6 प्रतिशत प्रोटीन व 53 प्रतिशत पाचनशीलता है।

इसी प्रकार एचजे 1514 एक कटाई वाली किस्म है जिसकी हरे चारे की पैदावार 664 व सूखे चारे की पैदावार 161 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह अधिक प्रोटीन वाली किस्म है।

ज्वार की नई किस्मों की यह हैं विशेषताएं

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने ज्वार की नई किस्मों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इन तीनों किस्मों में प्रोटीन की मात्रा व पाचनशीलता अधिक होने के कारण ये पशुओं के लिए बहुत उत्तम हैं। उन्होंने बताया ज्वार की सीएसवी 53 एफ एक कटाई वाली किस्म है जिसको गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक व तमिलनाडु राज्यों के लिए चिह्नित किया गया है। इस किस्म की हरे चारे की औसत पैदावार 483 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।

13 किस्में विकसित

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए। अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	21.9.22	4	1-5

उपलब्धि • कुलपति बोले- ज्वार की नई किस्मों का किसानों और पशुपालकों को होगा लाभ

हरियाणा कृषि विवि के चारा अनुभाग को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवॉर्ड

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अुनसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया।

कुलपति ने बताया विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं जिनके दृष्टिगत ये अवॉर्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई हैं उन्होंने उपलब्धि के लिए अनुभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि ये किस्में किसानों व पशुपालकों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होंगी।

एचएयू में चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

ज्वार की दो किस्में राज्य में बिजाई के लिए चिह्नित

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया ज्वार की एचजेएच 1513 व एचजे 1514 किस्में हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिन्हित की गई हैं। इनमें से एचजेएच 1513 एक कटाई वाली हाइब्रिड किस्म है और इसकी हरे चारे की औसत पैदावार 717 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह मीठी व जूसी किस्म है जिसमे 8.6 प्रतिशत प्रोटीन व 53 प्रतिशत पाचनशीलता है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फलाई व स्टेम बोरर कीड़ों के प्रति सहनशील है। इस किस्म को विकसित करने का श्रेय डॉ. पी. कुमारी, डी.एस. फोगाट, एस. आर्य, एस.के. पाहुजा, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा, डी.पी. सिंह, मनजीत सिंह व सरिता देवी को जाता है। इसी प्रकार एचजे 1514 एक कटाई वाली किस्म है जिसकी हरे चारे की पैदावार 664 व सूखे चारे की पैदावार 161 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह अधिक प्रोटीन वाली किस्म है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फलाई व स्टेम बोरर कीड़ों के प्रति सहनशील है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	21.8.22	1	6.8

चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हकृवि के चारा अनुभाग को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र का अवार्ड

हिसार, 20 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय कदन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं जिनके दृष्टिगत ये अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई हैं जिनके लिए चारा अनुभाग को यह अवार्ड प्रदान किया गया है। इस किस्म को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों में डॉ. पी. कुमारी, डी.एस. फोगाट, एस. आर्य, एस.के. पाहुजा, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा, डी.पी. सिंह, विनोद कुमार व सरिता देवी शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	21.8.22	2	1-4

हरियाणा कृषि विवि के चारा अनुभाग को मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र का अवार्ड

कुलपति बोले-ज्वार की नई किस्मों से किसानों और पशुपालकों को होगा लाभ

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद् के महानिदेशक डा. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं जिनके दृष्टिगत ये अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई हैं जिनके लिए चारा अनुभाग को यह अवार्ड प्रदान किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी।

चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज। • डीआरओ

इनमें प्रोटीन की मात्रा और पाचनशीलता अधिक

अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा ने जवार की नई किस्मों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इन तीनों किस्मों में प्रोटीन की मात्रा व पाचनशीलता अधिक होने के कारण ये पशुओं के लिए बहुत उत्तम हैं। उन्होंने कहा कि इस किस्म की हरे चारे की औसत पैदावार 483 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह शूट फलाई, स्टेम बोरर जैसे कीड़ों के प्रति रोधी है व ग्रे लीफ स्पाट व शूटी स्ट्रिप बीमारी के प्रति प्रतिरोधी है। चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों की ओर से विकसित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	21.8.22	4	6-8

उपलब्धि

एचएयू के चारा अनुभाग को उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सम्मान

चारा अनुभाग को सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवॉर्ड

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवॉर्ड प्रदान किया गया है।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद की ओर से आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवॉर्ड प्रदान किया।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं, जिनके दृष्टिगत ये अवॉर्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में

हिसार। चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों के साथ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। संवाद

विकसित की गई हैं, जिनके लिए चारा अनुभाग को यह अवॉर्ड प्रदान किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अनुभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

ज्वार की नई किस्मों की यह हैं विशेषताएं : विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने ज्वार की नई किस्मों की विशेषताओं का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि इन तीनों किस्मों में प्रोटीन की मात्रा व पाचनशीलता अधिक होने के कारण ये पशुओं के लिए बहुत उत्तम हैं। उन्होंने बताया कि ज्वार की सीएसवी 53 एफ एक कटाई वाली किस्म है, जिसको गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक व तमिलनाडु राज्यों के लिए चिह्नित किया गया है। इस किस्म की हरे चारे की औसत पैदावार 483 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

इन वैज्ञानिकों में डॉ. पम्मी कुमारी, एसके पाहुजा, डीएस फोगाट, सतपाल, एन खरोड़, बीएल शर्मा एवं मनजीत सिंह की टीम ने विकसित किया है। ज्वार की एचजेएच 1513 व एचजे 1514 किस्में हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिह्नित की गई हैं।

यह हाईब्रिड किस्म औसतन 717 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की पैदावार देती है। इस किस्म को विकसित करने का श्रेय डॉ. पी कुमारी, डीएस फोगाट, एस आर्य, एसके पाहुजा, सतपाल, एन खरोड़, बीएल शर्मा, डीपी सिंह, मनजीत सिंह व सरिता देवी को जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	21.8.22	5	1-5

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र का अवार्ड

ज्वार की नई किस्मों का किसानों और पशुपालकों को होगा लाभ : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 20 अगस्त (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया।

चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं जिनके दृष्टिगत ये अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई है, जिनके लिए चारा अनुभाग को यह अवार्ड प्रदान किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अनुभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि ये किस्में किसानों व पशुपालकों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होंगी।

ज्वार की नई किस्मों की यह हैं विशेषताएं : विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने ज्वार की नई किस्मों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इन तीनों किस्मों में प्रोटीन की मात्रा व पाचनशीलता अधिक होने के कारण ये पशुओं के लिए बहुत उत्तम हैं। उन्होंने बताया ज्वार की सीएसवी 53 एफ एक कटाई वाली किस्म है जिसको गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक व तमिलनाडू राज्यों के लिए चिन्हित किया गया है। इस किस्म की हरे चारे की औसत पैदावार 483 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। यह शूट फ्लाई, स्टेम बोरर जैसे कीड़ों के प्रति रोधी है व ग्रे लीफ स्पॉट व शूटी ब्लिट बीमारी के प्रति प्रतिरोधी है। चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किया गया है। इन वैज्ञानिकों में डॉ. पम्मी कुमारी, एस.के. पाहुजा, डी.एस. फोगाट, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा एवं मनजीत सिंह की टीम ने विकसित किया है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया ज्वार की एचजेएच 1513 व एचजे 1514 किस्में हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिन्हित की गई हैं। इनमें से एचजेएच 1513 एक कटाई वाली हाइब्रिड किस्म है और इसकी हरे चारे की औसत पैदावार 717 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह मीठी व जूसी किस्म है जिसमे 8.6 प्रतिशत प्रोटीन व 53 प्रतिशत पाचनशीलता है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फ्लाई व स्टेम बोरर कीड़ों के प्रति सहनशील है। इस किस्म को विकसित करने का श्रेय डॉ. पी. कुमारी, डी.एस. फोगाट, एस. आर्य, एस.के. पाहुजा, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा, डी.पी. सिंह, मनजीत सिंह व सरिता देवी को जाता है।

इसी प्रकार एचजे 1514 एक कटाई वाली किस्म है जिसकी हरे चारे की पैदावार 664 व सूखे चारे की पैदावार 161 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह अधिक प्रोटीन वाली किस्म है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फ्लाई व स्टेम बोरर कीड़ों के प्रति सहनशील है। इस किस्म को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों में डॉ. पी. कुमारी, डी.एस. फोगाट, एस. आर्य, एस.के. पाहुजा, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा, डी.पी. सिंह, विनोद कुमार व सरिता देवी शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	20.8.2022	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र का अवार्ड

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं जिनके दृष्टिगत ये अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई हैं जिनके लिए चारा अनुभाग को यह अवार्ड प्रदान किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अनुभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि ये किस्में किसानों व पशुपालकों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होंगी। ज्वार की नई किस्मों की यह हैं विशेषताएं: विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने ज्वार की नई किस्मों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इन तीनों किस्मों में प्रोटीन की मात्रा व पाचनशीलता अधिक होने के कारण ये पशुओं के लिए बहुत उत्तम हैं। उन्होंने बताया ज्वार की सीएसवी 53 एफ एक कटाई वाली किस्म है जिसको गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक व तमिलनाडु राज्यों के लिए चिन्हित किया गया है। इस किस्म की हरे चारे की औसत पैदावार 483 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। यह शूट फ्लाई, स्टेम बोरर जैसे कीड़ों के प्रति रोधी है व ग्रे लीफ स्पॉट व जुटी स्ट्रिप बीमारी के प्रति प्रतिरोधी है। चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किया गया है। इन वैज्ञानिकों में डॉ. पम्मी कुमारी, एस.के. पाहुजा, डी.एस. फोगाट, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा एवं मनजीत सिंह की टीम ने विकसित किया है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया ज्वार की एचजेएच 1513 व एचजे 1514 किस्में हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिन्हित की गई हैं। इनमें से एचजेएच 1513 एक कटाई वाली हाइब्रिड किस्म है और इसकी हरे चारे की औसत पैदावार 717 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। इस किस्म को विकसित करने का श्रेय डॉ. पी. कुमारी, डी.एस. फोगाट, एस. आर्य, एस.के. पाहुजा, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा, डी.पी. सिंह, मनजीत सिंह व सरिता देवी को जाता है। इसी प्रकार एचजे 1514 एक कटाई वाली किस्म है जिसकी हरे चारे की पैदावार 664 व सूखे चारे की पैदावार 161 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। यह अधिक प्रोटीन वाली किस्म है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फ्लाई व स्टेम बोरर कीड़ों के प्रति सहनशील है। इस किस्म को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों में डॉ. पी. कुमारी, डी.एस. फोगाट, एस. आर्य, एस.के. पाहुजा, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा, डी.पी. सिंह, विनोद कुमार व सरिता देवी शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	20.8.2022	--	--

हकृवि के चारा अनुभाग को मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र का अवार्ड

कुलपति प्रो. काम्बोज बोले, ज्वार की नई किस्मों का किसानों और पशुपालकों को होगा लाभ

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं जिनके दृष्टिगत ये अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई हैं जिनके लिए चारा अनुभाग को यह अवार्ड प्रदान किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अनुभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि ये किस्में किसानों व पशुपालकों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होंगी।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया ज्वार की एचजेएच 1513 व एचजे 1514 किस्में हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिन्हित की गई हैं। इनमें से एचजेएच 1513 एक कटाई वाली हाइब्रिड किस्म है और इसकी हरे चारे की औसत पैदावार 717 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह मीठी व जूसी किस्म है जिसमें 8.6 प्रतिशत प्रोटीन व 53 प्रतिशत पाचनशीलता है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फ्लाई व स्टेम बोरर कीड़ों के प्रति सहनशील है। इस किस्म को विकसित करने का श्रेय डॉ. पी. कुमारी, डी.एस. फोगाट, एस. आर्य, एस.के. पाहुजा, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा, डी.पी. सिंह, मनजीत सिंह व सरिता देवी को जाता है। इसी प्रकार एचजे 1514 एक कटाई वाली किस्म है जिसकी हरे चारे की पैदावार 664 व सूखे चारे की पैदावार 161 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह अधिक प्रोटीन वाली किस्म है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फलाई व स्टेम बोरर कीड़ों के प्रति सहनशील है।

ज्वार की नई किस्मों की ये हैं विशेषताएं

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जौत राम शर्मा ने ज्वार की नई किस्मों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इन तीनों किस्मों में प्रोटीन की मात्रा व पाचनशीलता अधिक होने के कारण ये पशुओं के लिए बहुत उत्तम हैं। उन्होंने बताया ज्वार की सीएसवी 53 एफ एक कटाई वाली किस्म है जिसको गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक व तमिलनाडु राज्यों के लिए चिन्हित किया गया है। इस किस्म की हरे चारे की औसत पैदावार 483 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। यह शूट फ्लाई, स्टेम बोरर जैसे कीड़ों के प्रति रोधी है व ग्रे लीफ स्पॉट व शूटी स्ट्रिप बीमारी के प्रति प्रतिरोधी है। चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किया गया है। इन वैज्ञानिकों में डॉ. पम्मी कुमारी, एस.के. पाहुजा, डी.एस. फोगाट, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा एवं मनजीत सिंह की टीम ने विकसित किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	22.8.2022	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र का अवार्ड

ज्वार की नई किस्मों का किसानों और पशुपालकों को होगा लाभ: कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अुनसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुंसधान परिषद, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं जिनके दृष्टिगत ये अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई हैं जिनके लिए चारा अनुभाग को यह अवार्ड प्रदान किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अनुभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि ये किस्में किसानों व पशुपालकों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होंगी। ज्वार की नई किस्मों की यह हैं विशेषताएं: विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने जवार की नई किस्मों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इन तीनों किस्मों में प्रोटीन की मात्रा व पाचनशीलता अधिक होने के कारण ये पशुओं के लिए बहुत उत्तम हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	20.8.2022	--	--

हिसार: एचएयू के चारा अनुभाग को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र का अवार्ड

20 Aug 2022 18:33:41

उवार की नई किस्मों का किसानों और पशुपालकों को होगा लाभ : कुलपति काम्बोज

हिसार, 20 अगस्त (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने शनिवार को बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं जिनके फलस्वरूप ये अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई हैं जिनके लिए चारा अनुभाग को यह अवार्ड प्रदान किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अनुभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि ये किस्में किसानों व पशुपालकों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होंगी।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने ज्वार की नई किस्मों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इन तीनों किस्मों में प्रोटीन की मात्रा व पाचनशीलता अधिक होने के कारण ये पशुओं के लिए बहुत उत्तम हैं। उन्होंने बताया ज्वार की सीएसवी-53 एफ एक कटाई वाली किस्म है जिसको गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक व तमिलनाडु राज्यों के लिए चिन्हित किया गया है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि ज्वार की एचजेएच-1513 व एचजे-1514 किस्में हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिन्हित की गई हैं। इनमें से एचजेएच-1513 एक कटाई वाली हाइब्रिड किस्म है और इसकी हरे चारे की औसत पैदावार 717 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह मीठी व रसीली किस्म है, जिसमें 8.6 प्रतिशत प्रोटीन व 53 प्रतिशत पाचनशीलता है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फ्लाई व स्टेम बोरर कीड़ों के प्रति सहनशील है। इस किस्म को विकसित करने का श्रेय डॉ. पी. कुमारी, डीएस फोगाट, एस. आर्य, एसके पाहुजा, सत्यवान, एन. खरोड़, बीएल शर्मा, डीपी सिंह, मनजीत सिंह व सविता देवी को जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	20.8.2022	--	--

हकृवि के चारा अनुभाग को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र का अवार्ड

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया।

सिटीपल्स न्यूज, हिसार। चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए है जिनके दृष्टिगत ये अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की है। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजीएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई है जिनके लिए चारा अनुभाग को यह अवार्ड प्रदान किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	20.8.2022	--	--

ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के हकृवि को मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड

हिसार/ 20 अगस्त/ रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फॉस्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं जिनके दृष्टिगत ये अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई हैं जिनके लिए चारा अनुभाग को यह अवार्ड प्रदान किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अनुभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि ये किस्में किसानों व पशुपालकों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होंगी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया ज्वार की एचजेएच 1513 व एचजे 1514 किस्में हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिह्नित की गई हैं। इस किस्म को विकसित करने वाले वैज्ञैनिकों टीम में डॉ. पी कुमारी, डीएस फोगाट, एस आर्य, एसके पाहुजा, सतपाल, एन खरोड़, बीएल शर्मा, डीपी सिंह, मनजीत सिंह व सरिता देवी शामिल हैं।